कपास नई खोज़

भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र

देखें: www.cicr.org.in

अंक: 2 खंड: 4 अप्रैल 5–11, 2015

ए.आय.सी.आर.पी कपास की वार्षिक समूह बैठक (2014-15)

अखिल भारतीय समन्वित कपास सुधार परियोजना (ए.आय.सी.आर.पी) की वार्षिक समूह बैठक संयुक्त रुप से केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान एवं तमिलनाडु विश्वविद्यालय द्वारा दि. 8-10, अप्रैल, 2015 के दौरान आयोजित की गयी ।

इस बैठक में कपास अनुसंधान में लगे हुए भा.कृ.अ.प., राज्य कृषि विश्वविद्यालयों एवं निजी क्षेत्रक के लगभग 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया । माननीय सहायक महानिदेशक (वाणिज्यिक फसल), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली डॉ. एन.गोपालकृष्णन, ने बैठक का उद्घाटन किया एवं उन्होंने औपचारिक रूप से अध्यक्षीय भाषण दिया । इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों डॉ.सी.डी.मायी, पूर्व अध्यक्ष, ए.एस.आर.बी, नई दिल्ली, डॉ.वी.संथानम, पूर्व एफ.ए.ओ सलाहकार, डॉ. के.आर. क्रांति, निदेशक, के.क.अ.सं, नागपुर, डॉ. पी.जी.पाटिल, निदेशक, के.क.प्र.अ.सं, एवं डॉ. एम.रामसामी, प्रबंध निदेशक, रासी सीड्स, आत्तूर उपस्थित थे । डॉ. के.रामसामी, माननीय कुलपति, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय ने बैठक में मुख्य आधार व्याख्यान दिया । डॉ. अ.हि.प्रकाश, परियोजना समन्वयक (कपास) ने वर्ष 2014-15 हेतु वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत किया । इस परियोजना की वार्षिक रिपोर्ट पुस्तक और सीडी के रूप में मुख्य अतिथि द्वारा जारी किए गए । ए.आय.सी.आर.पी के कपास संस्थापक परियोजना समन्वयक भी उद्घाटन सत्र के दौरान सम्मानित किए गये ।

इसके उपरांत सार्वजनिक-निजी भागीदारी पर चर्चा डॉ. सी.डी.मायी की अध्यक्षता में एवं डॉ. एन गोपालकृष्णन की सह अध्यक्षता में हुई । उत्तरी क्षेत्र के तहत कपास पर्ण कुंचन रोग हेतु बीटी कपास के सहिष्णुता मूल्यांकन के महत्वपूर्ण मुद्दों, रिफ्यूजी थैला संकल्पना और अन्य संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई । तीन दिन की बैठक के दौरान फ़सल उत्पादन, फ़सल सुधार एवं फ़सल संरक्षण के विभिन्न समूह की समवर्ती सत्र आयोजित की गयी जिसमें परिणाम पर विचार-विमर्श हुआ एवं वर्ष 2015-16 हेतु तकनीकी कार्यक्रम तैयार किया गया था । प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण पर सत्र दि.10.4.2015 को आयोजित की गई थी । तदनुसार कपास में 650 प्रदर्शनों का योजना बनाई गयी ।

पूर्ण अधिवेशन में, अलग-अलग समूहों में अंतिम रूप दिया गया वर्ष 2015-16 के तकनीकी कार्यक्रम संबंधित प्रमुख जांचकर्ताओं द्वारा पेश किया गया और पूरी तरह से चर्चा के बाद अंतिम रूप दिया गया । इस समूह बैठक डॉ.अ.हि.प्रकाश, परियोजना समन्वयक (कपास सुधार) के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संपन्न हुआ ।

डॉ. वी.संथानम, सेवानिवृत्त एफ.ए.ओ. सलाहकार, कपास वैज्ञानिकों को संबोधित

ए.आय.सी.आर.पी कपास की वार्षिक समूह बैठक (2014-15)

गणमान्य व्यक्तियों द्वारा कपास पर ए.आई.सी.आर.पी (2014-15) की वार्षिक रिपोर्ट की जारी

बैठक के दौरान डॉ. एन.गोपालकृष्णन की अध्यक्षीय भाषण

डॉ.के.रामसामी माननीय कुलपति. त.वि.वि, कोयंबत्तूर के प्रमुख भाषण

पौधा प्रजनन एवं आनुवंशिकी केंद्र के निदेशक, डॉ.के.गणेश मूर्ती द्वारा डॉ.के.आर.क्रांति, निदेशक, के.क.अ.सं, नागपुर सम्मानित

उद्घाटन समारोह के दौरान दीप जलाना

केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर में नए वैज्ञानिकों ने कार्यभार ग्रहण किया

श्री. प्रभुलिंगा. टी., वैज्ञानिक (कृषि कीट-विज्ञान) के रूप में एवं डॉ. सविता संतोष वैज्ञानिक (कृषि-कीटाणु-विज्ञान) के रूप में दि. 10.4.2015 को केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर में कार्भार ग्रहण किये ।

निर्मित एवं प्रकाशित: डॉ. के.आर.क्रांति, निदेशक, के.क.अ.सं, नागपुर
प्रमुख संपादक: डॉ. नंदिनी गोक्टे-नार्खेडेकर
संपादकों: डॉ. जे.एन्नि शीबा, डॉ. विश्लेष नगरारे, डॉ. जे.अमुदा एवं डॉ. एम.शरवणन
जनसंचार माध्यम समर्थन एवं रुपांकन: डॉ. एम.सबेष एवं श्री. एस.सत्यकुमार
हिन्दी अनुवाद: श्रीमति. के.सुभश्री एवं डॉ. अ.हि.प्रकाश
निर्मित समर्थन: श्री. संजय कुश्वाहा

प्रमाण: कपास नई खोज अंक-2, खंड-4, 2015, भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर

प्रकाशन टिप्पणी: यह समाचार पत्र आनलाईन http://www.cicr.org.in/News Letter.html में उपलब्ध है।
कपास नई खोज एक खुला उपयोग कपास समाचार पत्र है ।

कपास नई खोज - के.क.अ.सं, समाचार पत्र केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र.
कार्यालय: पांजरी, एल.पी.जी. बॉटलिंग प्लॉन्ट के पास, वर्धा रोड, नागपुर- 441 108.
दूरभाष: 07103-275536 फैक्स: 07103-275529; E-mail: cicrnagpur@gmail.com